न्यूज डायरी

पाकिस्तान में ईद उल अजहा पर 40 लाख गायों की कुर्बानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ईद उल अजहा के मौके पर 2.5 अरब डॉलर (400 अरब पाकिस्तानी रुपये) मूल्य के 90 लाख पशुओं की कुर्बानी दी गई। इसमें 300 अरब रुपये की 40 लाख गायों की कुर्बानी शामिल है। चमड़े के निर्यातकों ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस साल 1 अरब डॉलर ज्यादा मूल्य के पशुओं की कुर्बानी दी गई। ईद–उल–अजहा मुस्लिमों का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सऊदी अरब हज के लिए नहीं जा सके, इस वजह से कुर्बानी की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हो गई। अरब न्यूज पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी कोरोना वायरस प्रतिबंधों की वजह से हज के लिए सऊदी अरब नहीं जा पाए, इस वजह से उन्होंने अपने घर पर ही कुर्बानी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में पिछले साल डेढ़ अरब डॉलर के पशुओं की कुर्बानी दी गई थी।

तालिबान और अफगान सेना में 20 प्रांतों में भीषण संघर्ष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कंधार। अफगानिस्तान में तालिबान आतंकियों और अफगान सेना के बीच देश के 20 प्रांतों में भीषण संघर्ष चल रहा है। इनमें गजनी, तखार, हेलमंद और बाघलान प्रांत शामिल हैं। वहीं कभी तालिबान का गढ़ रहा कंधार प्रांत एक बार फिर से जंग का मैदान बन गया है। तालिबान के बढ़ते खतरे को देखते हुए हजारों की तादाद में लोग कंधार छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए हैं। तालिबान ने पूरे शहर को घेर लिया है और दोनों ओर से जोरदार जंग चल रही है। मैमाना शहर में कई दर्जन रॉकेट दागे गए हैं। यह शहर फरयाब प्रांत का केंद्र है। वहीं हेरात प्रांत में स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि सुरक्षा बलों ने हेरात शहर में रात का कर्फ्यू लगा दिया है। इसका तालिबान के हमले के खतरे को कम किया जा सके। अफगान रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता फवाद अमन ने कहा कि सेना लगातार तालिबान के खिलाफ हवाई और जमीनी हमले कर रही है।

अमेरिका के राष्ट्रीय हित में भारत से आर्थिक संबंध तेजी से बढ़ाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के उप विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने कहा कि भारत के साथ तेजी से रणनीतिक, आर्थिक और लोगों से जुड़े संबंधों को प्रगाढ़ करना अमेरिका के अपने राष्ट्रीय हित में है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से दक्षिण और मध्य एशिया के लिए नामित वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू ने बुधवार को सीनेट की विदेश मामलों की समिति के सदस्यों को संबोधित किया। विदेश मंत्रालय में अपने तीस सालों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत, पाकिस्तान और मध्य एशिया के लिए काम किया है। उन्होंने सांसदों से संबोधन में कहा कि हिंद–प्रशांत महासागर शक्तियों के तौर पर एशियाई साझीदारों के तौर पर संप्रभुता और आजादी को प्रमुखता मिलनी चाहिए।

वैक्सीन न लेने वाले लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने की नहीं होगी अनुमति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मनीला। फिलीपींस में कोरोना वायरस के नए संक्रमण डेल्टा वेरिएंट और महामारी के प्रकोप को देखते हुए फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने फिलिपिनो को बुधवार रात टेलीविजन पर चेतावनी दे डाली। रोड्रिगो दुतेर्ते ने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण से इनकार करने वाले फिलीपींस के लोगों को अधिक संक्रामक डेल्टा संस्करण के खिलाफ सुरक्षा के तौर पर अपने घरों को छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
दुनिया भर में कोरोना वायरस ने एक बार फिर से प्रचंड रूप धारण कर डेल्टा वेरिएंट संक्रमण से सब को भयभीत कर रहा है। फिलीपींस में अधिक डेल्टा संस्करण के दर को देखते हुए फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते अपने देश के लोगों को चेतावनी देते हुए कहां कि जिन लोगों को कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण नहीं लगा है, उन लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अफगानिस्तान में आ रहा तालिबान राज

रूस ने ताजिकिस्तान में उतारी सेना, भेजे टैंक

तनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुशांबे। अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते कब्जे से मध्य एशिया में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इसी तालिबानी खतरे को देखते हुए रूस ने अब ताजिकिस्तान में बड़े पैमाने पर अपनी सेना और भारी हथियार भेजे हैं। रूस अब ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ मिलकर एक बड़ा युद्धाभ्यास करने जा रहा है। यही नहीं रूस अफगानिस्तान के हालात पर नजदीकी से नजर बनाए हुए है।

अभी पिछले महीने ही रूस ने चेतावनी दी थी कि कलेक्टिव सिक्ध्यॉरिटी ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन निर्णायक कार्रवाई करेगा अगर उसके किसी सदस्य देश की सीमा पर कोई आक्रामक कार्रवाई की गई या फिर उकसावे वाली कार्रवाई की गई। ताजिकिस्तान में मौजूद रूसी सेना को अब दुशांबे में स्थित उनके स्थायी ठिकाने से हटाकर हर्ब मैदान ट्रेनिंग एरिया में तैनात कर दिया

गया है जो अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है।

रूस, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की सेना के बीच युद्धाभ्यासः रूसी सेना ने एक बयान जारी करके कहा, ताजिकिस्तान के 201 मिलिट्री बेस पर तैनात रूसी सेना को हर्ब मैदान में फिर से एकजुट किया गया है। यहां पर रूस, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की सेना के बीच युद्धाभ्यास किया जाएगा। जिन सैनिकों को अफगान सीमा पर तैनात किया गया है, उनमें राइफल यूनिट, टैंक, तोपखाना रेजिमेंट और एंटी एयरक्राफ्ट सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा हेलिकॉप्टर यूनिट को भी तैनात किया गया है।

सोशल मीडिया में वायरल हुए विडियो में नजर आ रहा है कि रूसी टैंक, हथियारबंद वाहन, ट्रक, तोपें और अन्य यूनिट स्थानीय हाइवे से होकर अपने ठिकाने की ओर जा रहे हैं। इस दौरान रूसी सैनिकों की एमआई–24 लड़ाकू हेलिकॉप्टरों की मदद से सुरक्षा की जा रही है। दुशांबे और ट्रेनिंग एरिया के बीच दूरी करीब 200 किमी दूर है। इस दौरान काफिले की सुरक्षा और दुश्मन के हमले का करारा जवाब देने का अभ्यास किया गया।

ताजिकिस्तान रूस के नेतृत्व वाले कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन का सदस्य है। उज्बेकिस्तान इसका सदस्य नहीं है लेकिन उसके रूस के साथ करीबी सैन्य संबंध हैं।

अमेरिका के अलास्का में 8.2 तीव्रता का जोरदार भूकंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जूनो। अमेरिका के अलास्का प्रायद्वीप में जोरदार भूंकप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 8.2 बताई जा रही है। अलास्का में पेरीविल शहर से 91 किमी पूर्व–दक्षिण पूर्व में भूकंप का केंद्र माना जा रहा है। भूकंप इतना तेज था कि इसके बाद दक्षिण अलास्का, हवाई और अलास्का प्रायद्वीप में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। लोगों को तट से दूर और सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा गया है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप रात 10रू15 बजे आया, जो कि 35 किलोमीटर की गहराई पर था। अलास्का में राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने दक्षिणी भागों, प्रायद्वीप और प्रशांत तटीय क्षेत्रों के लिए हिनचिनब्रूक प्रवेश से उनिमक दर्रे तक सुनामी की चेतावनी जारी की है। NTWC ने कहा कि वह अन्य अमेरिकी और कनाडाई प्रशांत तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी के खतरे के स्तर का मूल्यांकन कर रहे हैं।

बता दें कि अमेरिका के इसी राज्य में इससे पहले तलकीतना पर्वतीय क्षेत्र में 31 मई को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप के झटके होमर से लेकर फेयरबैंक्स तक महसूस किए गए थे। एंकरेज और वसिला इलाकों में ये झटके काफी तेज थे।

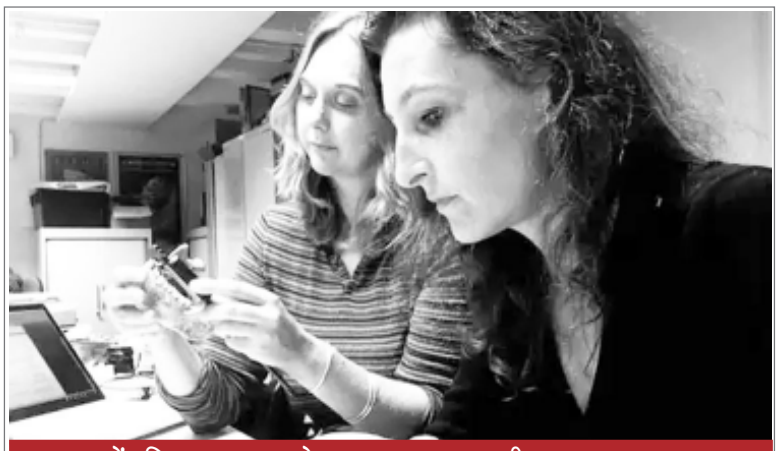

कनाडा में मिला 89 करोड़ साल पुराना जीवाश्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। धरती पर जीवन की शुरुआत से जुड़ी एक बड़ी खोज की गई है। कनाडा के पहाड़ों में मिले जीवाश्म ऐसे समुद्री स्पंज के पूर्वजों का रहस्य खोल सकते हैं जो करीब 89 करोड़ साल पहले धरती पर रहे होंगे। कनाडा की एक रिसर्चर ने बताया है कि ये स्पंज Neoproterozoic काल के रहे होंगे। इनमें छोटे स्ट्रक्चर साफ–साफ देखे जा सकते हैं। इनकी तरह प्रजातियां आज भूमध्य सागर में देखी जा सकती हैं जिन्हें बाथ स्पंज या Spongia officinalis कहा जाता है। अगर रिपोर्ट्स में इनकी पुष्टि होती है तो ये जानवरों के धरती पर सबसे पुराने जीवाश्म हो सकते हैं।

भारत ने आतंकवाद पर ध्यान को कम करने की कोशिशें लगातार रोकीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि उनके देश ने आतंकवाद से लड़ने और इस संकट पर ध्यान को कमजोर करने की कोशिशों को रोकने के लिए सुरक्षा परिषद के अंदर और बाहर लगातार इस पर जोर दिया है। भारत को अगले महीने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के दौरान आइएसआइएल पर महासचिव की रिपोर्ट से संबंधित कई कार्यक्रम आयोजित करने हैं।
भारत एक अगस्त को संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा। यह सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी

सदस्य के तौर पर 2021–22 कार्यकाल के दौरान भारत की पहली अध्यक्षता है। भारत अगले साल दिसंबर में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा।
तिरुमूर्ति ने एक इंटरव्यू में कहा, श्भारत परिषद के भीतर और बाहर दोनों जगह आतंकवाद से लड़ने पर जोर देता रहा है। हमने आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों को न केवल मजबूत किया है खासतौर से आतंकवाद के वित्त पोषण को बल्कि हमने आतंकवाद पर ध्यान को कमजोर करने की कोशिशों को भी रोका है।

अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा, आतंकवाद को रोकने जैसे विषयों पर ध्यान देगा। इन मुद्दों पर उच्च स्तरीय कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेगा। इस साल की शुरुआत में भारत ने कहा था कि इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत (आइएसआइएल) पर महासचिव की रिपोर्ट में आइएसआइएल और अलकायदा के तहत आने वाले प्रतिबंधित संगठन मसलन लश्कर–ए–तैयबा और अन्य पाकिस्तानी आतंकी समूह मसलन जैश–ए–मुहम्मद की गतिविधियां भी शामिल होनी चाहिए।

इमरान खान बोले, तालिबान का प्रवक्ता नहीं है पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि अफगानिस्तान की बिगड़ती स्थिति के लिए उनके देश के खिलाफ बार–बार आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इमरान ने कहा कि इस्लामाबाद हमेशा शांति और अपने पड़ोसी के लिए एक समावेशी सरकार की स्थापना चाहता है, क्योंकि यह दोनों देशों की भलाई के लिए होगा। इस्लामाबाद में इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान तालिबान का प्रवक्ता नहीं है और न ही इसका इससे कोई लेना–देना है कि आतंकवादी समूह अफगानिस्तान में क्या कर रहा है।
पाकिस्तानी पीएम ने कहा, 'तालिबान जो कर रहा है या नहीं कर रहा है उसका हमसे कोई लेना–देना नहीं है और हम इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं, न ही हम तालिबान के प्रवक्ता हैं।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान हमेशा अफगानिस्तान में शांति चाहता है।' खान ने कहा कि पाकिस्तान अफगानिस्तान में शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव हद तक जाने को तैयार है और रहेगा। हालांकि, उन्होंने तालिबान के खिलाफ बल प्रयोग से इनकार किया।